|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१२ जान्युआरी २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जे प्रमाणे सवाल पूछ्या होय ते प्रमाणे ज जवाब लखवा. वार्ता के थोकडाना लांबा जवाब लखवा नहि।

२) आपना जवाब पेपरमां आपे ओपन बुक आपी छे के रेग्युलर ए खास लखजो। जेमणे नहीं लख्युं होय तेमनो नंबर आवशे तो पण नंबर नहीं आपवामां आवे।

OPEN BOOK / REGULAR	श्रेणी २	WRITER	YES / NO

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
SANGH NAME		SUPERVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		SUPERVISOR'S SIGN.	

MARKS

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमणना आधारे लखो।

(१) नीचेना पाठनी पूर्ति करो। **(१२)**

१. धराणं ..... तारयाणं

२. चंदेसु ..... सागर

३. व्यतिक्रम ..... मन

४. जाव ..... ताव

५. तस्स ..... अप्पाणं

६. मभिणंदण च ..... चंदप्पहं

(२) नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो। **(८)**

१. ठामि ..... २. न समायरियव्वा .....

३. मरुय ..... ४. लोग पईवाणं .....

५. मम दिसंतु ..... ६. गरिहामि .....

७. दग ..... ८. कित्तिय .....

(३) नीचेना शब्दोना मूल पाठ (मागधी शब्द) लखो। **(८)**

१. अचल, स्थिर स्वरुप ..... २. स्थानने पामेला .....

३. आ रीते, मारा द्वारा ..... ४. कीर्तन कर्युं न होय .....

५. पुरुषोमां सिंह समान ..... ६. पापकारी .....

७. पंचवर्णी शेवाळ ..... ८. प्रकाशना करनारा .....

(४) अयोग्य विकल्प पर टीक करो। **(८)**

१. तीर्थंकर भगवान शरणे आवनारने शुं आपे छे? (शांति, सौम्यता, शीतळता)

२. सामायिकमां राग-द्वेषना वचनो बोले अने राग-द्वेष करे तो कयो दोष लागे? (कलह, रोष, स्वच्छंद)

३. तीर्थंकर भगवान कयुं दान आपे छे? (अभयदान, संयमदान, ज्ञानदान)

४. कायाथी कोइ ..... के ..... करी होय तो मर्यादा तूटी जाय छे? (पापकार्य, हिंसा, चोरी)

५. सामायिकमां पग पर पग चड़ावीने बेसे अने डगमगता आसने बेसे तो कयो दोष लागे? (कुआसन, आलंबन, चलासन)

६. कई दवा आत्माने भवरोगथी दूर करे छे? (पडिक्कमामि, निंदामि, गरिहामि)

७. सामायिकनी साधना केवी छे? (श्रेष्ठ, उत्तम, शुद्ध)

८. महाविदेहमां वधुमां वधु केटला तीर्थंकरो होय छे? (१७०, १६०, ३४)

(५) जोडका जोडो। **(४)**

(अ)	(ब)	जवाब
१) शक्रस्तव	१) जिनवाणी	.....
२) भगवाननी स्तुति	२) अभयदान	.....
३) भाव धर्म आराधना	३) नमोत्थुणं	.....
४) करेमि भंते	४) चतुर्विंशति स्तव	.....

(२०)

प्र. २ सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।

(१) नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो। **(१०)**

१. अभिगम ५ अने ३ .....

२. तत्त्व ७, २, अने ५ .....

३. वर्तमान तीर्थंकर ४, २० अने १२ .....

.....

४. मोक्षमां लई जनार गति .....

५. अधर्मी कइ गतिमां जाय? .....

(२) नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक शब्दमां लखो। **(१०)**

१. संपूर्ण कर्मोनो क्षय थइ जता जीवने शुं प्राप्त थाय छे? .....

२. जेने सुख- दु:खनी अनुभूति न होय तेने शुं कहेवाय? .....

३. कइ गतिमां दु:खने कारणे नवा कर्मो बंधाय छे? .....

४. अत्यारे २० तीर्थंकर बिराजे छे ते क्षेत्र कयुं? .....

५. राजा मुगट बाजुमां मूकीने दर्शन करवा जाय तेने शुं कहेवाय? .....

६. प्रतिकूळ वायु समान शुं छे? .....

७. नव तत्त्वनी सम्यक् समज शुं प्राप्त करावे छे? .....

८. दूरथी धर्म स्थानक देखाय तो वचनथी शुं थइ जवुं? .....

९. कोण समभावमां रहीने नरकमां कर्मो खपावे छे? .....

१०. संतो कई वस्तुना त्यागी होय छे? .....

(१५)

प्र. ३ तत्त्व तथा संस्कार विभागना आधारे लखो।

(१) खाली जग्या पूरो। **(१०)**

१. आत्मा ..... स्वरुप, ..., ... मेरे गुण है। .....

२. मोमबत्तियों को जलाने से कई ..... और ..... जीवों की हिंसा होती है।

.....

३. ..... तिथि ..... तरीके ओळखाय छे। .....

४. ..... ना उपाय छे। .....

५. जैन धर्म सूक्ष्ममां सूक्ष्म जीवोनी ..... नी ..... आपे छे। .....

६. दिवसनी शरुआत ..... ने पगे लागी, ... अने ..... दर्शनथी करवी तो दिवस ..... बनी रहे।

.....

७. आत्मा ..... छे, ... थी भिन्न छे। .....

८. ..... ना प्रकाशनी ....., ... ना आधारे ..... नी गणतरी थाय छे।

.....

(२) मने ओळखो। **(५)**

१. मारो स्वाद नथी। .....

२. हुं विश्वमां सर्व धर्ममां श्रेष्ठ छुं. .....

३. माराथी तारीखनी गणतरी थाय छे। .....

४. सुखडी मारा निमित्ते कापवी जोइए। .....

५. मारा उदयना कारणे जैन धर्म मळ्यो छे। .....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञानना आधार पर नीचेनामांथी साचा विकल्प पर टीक करो।

१. भगवान महावीरनो सिद्धांत कयो छे? (१) एकांतवाद (२) अनेकांतवाद (३) विश्वशांति

२. नय एटले शुं? (१) दृष्टिकोण (२) परिस्थिति (३) अनेकांतवाद

३. जंगलो कापवाथी शुं ओछुं थाय छे? (१) Carbon dioxide (२) Oxygen (३) Electricity

४. अनुकंपानो भाव न राखवो ते कइ हिंसा छे? (१) भाव हिंसा (२) क्षेत्र हिंसा (३) द्रव्य हिंसा

५. ममत्व न राखवनो बोध कोण आपे छे? (१) अनेकांतवाद (२) अपरिग्रह (३) अहिंसा

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधारे नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।

१. मरिचीए कोनी पासे दीक्षा लीधी हती? .....

२. कठिन समय शांतिथी केवी रीते पसार थाय? .....

.....

३. सांज सुधीनुं काम मिनिटोमां कोणे पूरुं कर्युं? .....

.....

४. मेघ मुनि पोताना आत्माने केवी रीते भावित करवा लाग्या? (बे शब्दमां जवाब आपो।)

.....

५. लक्षपाक तेल केवुं हतुं? .....

६. मोक्षमार्ग तरफ आगळ कोण वधे छे? .....

.....

.....

७. रोहिणेयना पप्पाए रोहिणेयनी शुं कान भंभेरणी करी हती? .....

.....

८. मरीचिना अमूल्य समकितनुं वमन शा माटे थयुं? .....

.....

९. कोण बोले छे अने कोने कहे छे? १) भरतक्षेत्रमां प्रथम वासुदेव थशे।

.....

२) तारा पूर्वजन्मने याद कर।

.....

(१०)

प्र. ६ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।

१. पतंग ..... (३×३)

.....

.....

करवा छे।

२. रात्रि .....

.....

आहार...घरनी।

३. तुह .....

.....

जिणचंद।

४. अरिहंत ..... (१)

वंदन।

.....

जय जिनेन्द्र

❋ PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
❋ NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 3RD/4TH MONDAY AND TUESDAY.
❋ TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
❋ FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.